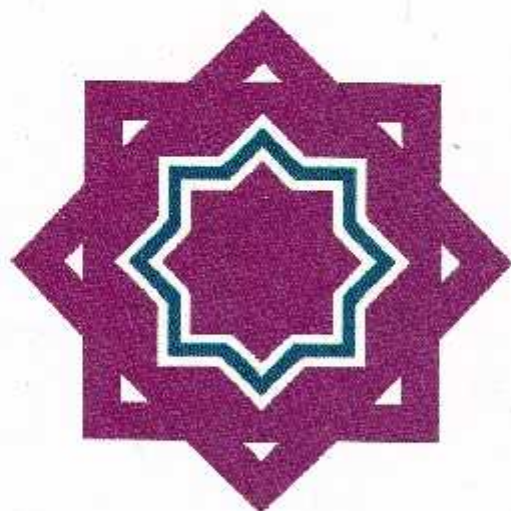


# دواوين كوفية

ديوان شمس الدين محمد الواعظ الكوفي (ت 675هـ)

ديوان أحمد بن عمار الحسيني الكوفي (ت 527هـ)

القصيدة المتداخلة للشَّوَاء الكوفي (ت 635هـ)



جمعها وحققها

هلال بن ناجي

# فهرسة المحتوي

|     |                              |
|-----|------------------------------|
| ٤   | التقديم                      |
| ٥   | الإهداء                      |
| ٧   | ديوان شمس الدين الكوفي       |
| ٩   | المقدمة                      |
| ١٠  | شيوخه وتلامذته               |
| ١١  | ذريته                        |
| ١٢  | حرفته خلقه وفاته             |
| ١٣  | الشعر العربي والغزو المغولي  |
| ٢٧  | ديوانه                       |
|     | الباب الأول                  |
| ٢٩  | مرثيه في بغداد               |
|     | الباب الثاني                 |
| ٥١  | الصبابة مما تبقى من شعره     |
| ٨٧  | تتمة أشعار شمس الدين الكوفي  |
| ٩٢  | المصادر والمراجع             |
| ٩٥  | ديوان أحمد بن عمار الكوفي    |
|     | مجد الشرف الكوفي             |
| ٩٧  | كنيته وإجاده فن التجنيس      |
| ١٠١ | الديوان                      |
| ١١٨ | المصادر والمراجع             |
| ١١٩ | القصيدة المتداخلة            |
| ١٢١ | قصيدة الشواء الكوفي امتداخلة |
| ١٢١ | التداخل لغة                  |
| ١٢٧ | مخطوط القصيدة                |
| ١٢٩ | فهرست قوافي الديوان          |
| ١٣٥ | فهرست المحتوي                |